an>

Title: Need to include Meerut city in the list of smart cities.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): उपाध्यक्ष महोदय, स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत देशभर से 100 शहरों का चयन किया जाना था जिसमें 13 शहर उत्तर प्रदेश से थे। उत्तर प्रदेश में 13 शहरों की इस चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता का पालन नहीं किया गया। इसके बावजूद मेरठ 13वें क्रमांक पर आ गया था। परन्तु रायबरेली को 13ए पर रखकर मेरठ को 13बी अर्थात् 14वें स्थान पर धकेल दिया गया। मेरठ की जनता के साथ किए गए इस अन्याय की जानकारी सम्पूर्ण तथ्यों के साथ मेरठ के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों द्वारा माननीय केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री को 01 अगस्त, 2015 को दे दी गई थी तथा केन्द्र ने मेरठ के पक्ष का औचित्य स्वीकार करते हुए उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्रालय को 13वें क्रमांक की अपनी संस्तुति पर पुनर्विचार करने के लिए पत्र प्रेषित कर दिया था। अब उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नया प्रस्ताव केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय में प्रस्तुत किया जा चुका है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अंतर्गत मेरठ लगभग 20 लाख की जनसंख्या वाला ऐतिहासिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक तथा औद्योगिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण महानगर है। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का उद्गम स्थल होने का गौरव भी मेरठ को प्राप्त है। यहां नगर निगम कार्यरत है तथा यह मेरठ मंडल का मुख्यालय भी है। इतने वैशिष्ट्य के पश्चात् भी मेरठ को स्मार्ट सिटी की सूची से बाहर रखना अन्यायपूर्ण है।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त तथ्यों का संज्ञान लेते हुए मेरठ को स्मार्ट सिटी की सूची में सम्मिलित करने का कष्ट किया जाए।

HON. SPEAKER: Shri Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shri Rajendra Agrawal.